mardi 2 avril 2013

HIN2B09b

(Compréhension de l'écrit)

Cours –9

बीटी बैंगन यानी सेहत का भर्ता (suite)

जीएम फसलों का एक और खतरा है जिसे हॉरिजांटल जीन ट्रांसफर (एचजीटी) कहते हैं. एचजीटी एक कुदरती प्रक्रिया है जिसमें एक प्रजाति का जीन दूसरी प्रजाति जो कि कोई पौधा, मानव शरीर या जानवर भी हो सकता है, के जीन में प्रवेश करने और अनुकूलित होने का रास्ता तलाश करता है. ऐसा ही जीएम फसलों के मामले में भी हो सकता है. उदाहरण के लिए, बैंगन में जहरीले रसायन पैदा करने वाला जीन अगर हमारे शरीर के भीतर रहने वाले और हमारे लिए फायदेमंद प्राकृतिक बैक्टीरिया के भीतर घुस गया तो हमारे भीतर ही वही जहर पैदा होने लगेगा. और यदि बैंगन के भीतर मौजूद एंटीबायोटिक प्रतिरोधी जीन हमारे जीन के साथ घुलमिल जाए तो इसका मतलब होगा कि बीमारियों में शरीर पर दवाओं का बेअसर होना.

2005 में पर्यावरणविद अरुणा रॉड्रिग्ज के नेतृत्व में कुछ लोगों ने सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की थी जिसमें कहा गया था कि भारत में जीएम फसलों की सुरक्षा का प्रमाणन करने वाला तंत्र पारदर्शी नहीं है और इसमें कई खामियां हैं. इसके जवाब में सुप्रीम कोर्ट ने 2007 में कहा था कि जीईएसी को महिको द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़े सार्वजनिक किए जाएं. लेकिन महिको आंकड़े सार्वजनिक करने से बचती रही. आखिर में जब उसे कोर्ट की अवमानना की धमकी दी गई तब जाकर अगस्त 2008 में उसने ये आंकड़े सार्वजनिक किए. सुप्रीम कोर्ट की तरफ से फरवरी 2008 में जीईएसी पर निगरानी रखने के लिए नियुक्त किए गए डा. पीएम भार्गव कहते हैं, 'जीईएसी को किसी भी विश्वसनीय प्रयोग के आंकड़े नहीं मिले. पहली बात, सारे परीक्षण महिको ने किए थे और इसके लिए इस्तेमाल किए गए बीज भी इसी कंपनी के थे. इनका किसी निष्पक्ष एजेंसी द्वारा सत्यापन नहीं हुआ इसलिए इन आंकड़ों पर भरोसा नहीं किया जा सकता. दूसरी बात, सभी परीक्षण कम अवधि के थे जबकि इस तकनीक से जुड़े कई खतरे लंबी अवधि में ही देखने को मिलते हैं. तीसरी बात, कई जरूरी परीक्षण महिको ने किए ही नहीं जबकि यह तथ्य है कि एक प्रजाति के जीन को दूसरे में प्रत्यारोपित करने से कोशिकाओं में तेजी से बढ़ोतरी होने लगती है जिससे कैंसर की आशंका बढ़ जाती है. इसे परखने के कई आसान तरीके हैं, लेकिन ऐसा कोई भी परीक्षण नहीं किया गया.

इन सब मुद्दों पर जब हमने महिको से बात की तो उसका दावा था कि सुरक्षा को लेकर उसने बीटी बैंगन पर हर तरह के वैज्ञानिक परीक्षण किए हैं. कंपनी के मुताबिक इस बारे में उसका अनुसंधान किसी भी प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका में प्रकाशित होने लायक है. तहलका ने जब इस मुद्दे पर डा. एसबी डोंगरे, जो जीईएसी और बीटी बैंगन पर बनी विशेषज्ञ समिति (ईसी) के सदस्य और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के प्रतिनिधि हैं, से बात करने की कोशिश की तो उन्होंने जोर देते हुए कहा कि कोई भी टिप्पणी सिर्फ जीईएसी के चेयरमैन से ली जाए. इसके अलावा जब हमने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के पूर्व सदस्य और जीईएसी व ईसी के सदस्य डा. वसंत मुथुस्वामी से बात करने की कोशिश की तो उन्होंने भी कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया.

तो क्या हमें महिको की बात पर यकीन करना चाहिए. गौर करें कि भारत की इस सबसे बड़ी बीज कंपनी की 26 फीसदी हिस्सेदारी दिग्गज अमेरिकी कंपनी मोंसेंटो के पास है जो उसने 1998 में खरीदी थी. महिको ने जनेटिक इंजीनियरिंग तकनीक मोंसेंटो से खरीदी थी जिसका इस्तेमाल बीटी बैंगन के विकास में किया गया. रॉड्रिग्ज बताती हैं कि मोंसेंटो भारतीय कृषि शोध संस्थानों को एबीएसपी-2 जैसी परियोजनाओं के जरिए वित्तीय सहायता देती है.

सरकारी और निजी क्षेत्र के सहयोग से चलने वाली इस योजना में मोंसेंटो भागीदार है. इस परियोजना के तहत भारत के दो विश्वविद्यालयों-तमिलनाडु एग्रीकल्चर रिसर्च यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर साइंस, धारवाड़ को कंपनी से काफी पैसा मिल रहा है. उल्लेखनीय है कि ये संस्थान जीएम तकनीक के बड़े समर्थक हैं और इन फसलों के कथित 'पक्षपाती' परीक्षणों में शामिल भी रहे हैं.

तहलका से बातचीत में डा. भार्गव बताते हैं, 'मुझे सबसे ज्यादा तकलीफ इस बात से हुई कि वे (जीईएसी) मोंसेंटो की बात को ईश्वर की बात मानते हैं और सोचते हैं कि उसके खिलाफ हर बात को अनसुना किया जाए. जीएम फसलों के दुष्प्रभावों के बारे में काफी वैज्ञानिक लेख उपलब्ध हैं लेकिन ऐसे किसी मुद्दे पर मैंने वहां (जीईएसी) चर्चा होते नहीं देखी.' उधर, मोंसेंटो पक्षपात की बात से इनकार करते हुए तर्क देती है कि निजी और सरकारी, दोनों कंपनियों के उत्पादों को एक ही मानदंडों वाली नियामक जांच से गुजरना पड़ता है.

अब सवाल यह है कि क्या हमें खाद्य सुरक्षा के लिहाज से वास्तव में बीटी बैंगन की जरूरत है ? बिल्कुल नहीं. हमारे देश में बैंगन का इतना ज्यादा उत्पादन होता है कि राज्य सरकारें कीमतें गिरने से रोकने के लिए बैंगन की सरकारी खरीद करती हैं. और इसके अलावा हमारे पास कीटनाशकों के विकल्प के रूप में जैव रसायन भी हैं. पिछले दिनों ही आंध्रप्रदेश ने बिना कीटनाशकों का इस्तेमाल किए सफलतापूर्वक 20 लाख एकड़ में फसलें (जिसमें बैंगन भी शामिल है) पैदाकर साबित किया है कि हमारे यहां जीएम फसलों की कवायद कितनी निरर्थक है. फिलहाल इस मामले की कमान पर्यावरण और वन मंत्रालय के हाथ में है. जो आगे तय करेगा कि इस तथाकथित बेहतर बैंगन को भारतीयों की रसोई में पहुंचाया जाए या नहीं.

यह भी गौर करते चलें कि इस तकनीक को खोजने वाले और इसका सबसे ज्यादा प्रयोग करने वाले अमेरिका में किसी भी जीएम फसल का इस्तेमाल इंसानी खाने में नहीं किया जाता.

mardi 2 avril 2013

Vocabulaire et expressions

कुदरती naturel
प्रक्रिया-f processus
प्रजाति-f espèce
अनुकूलित acclimation
तलाश-f enquête, recherche
फायदेमंद bénéfique
प्रतिरोधी résistant
घुलमिल dissout-mélangé
बेअसर sans effet
नेतृत्व-m leadership, direction
जनहित याचिका-f pétition publique
(मुकदमा) दायर करना (procès) introduire, imposer
प्रमाणन certifier
तंत्र-m structure, réseau, système,
पारदर्शी transparent
खामी-f manque
सार्वजनिक publique
x से बचना éviter x
कोर्ट-m cour, tribunal
अवमानना-f outrage (à la cour)
धमकी-f menace
निगरानी-f रखना surveiller
नियुक्त करना nommer, mettre en place
विश्वसनीय fiable
परीक्षण-m essai
बीज-m semence
निष्पक्ष sans parti pris
एजेंसी agence
सत्यापन-m vérification, authentification
भरोसा-m confiance
अवधि-f durée
तथ्य-m fait
प्रत्यारोपित करना greffer
रोपना implanter
कोशिका-f cellule
बढ़ोतरी-f augmentation
आशंका-f doute, crainte
परखना examiner, évaluer
दावा-m affirmation, revendication
X के मुताबिक selon x
अनुसंधान-m recherche
प्रतिष्ठित établi, fameux
लायक convenable
स्वास्थ्य-m और परिवार कल्याण-m मंत्रालय-m
Ministère de santé et de bienêtre familiale
प्रतिनिधि-m représentant
टिप्पणी-f commentaire, remarque
X के अलावा outre x , à part x
चिकित्सा-f traitement, soins
परिषद-f comité, assemblée
पूर्व सदस्य-m ancien membre
यकीन-m करना croire
हिस्सेदारी-f participation
दिग्गज-m important, éléphant, sumo
परियोजना-f plan
के जरिए par le moyen de
वित्तीय financier
सहयोग-m coopération
भागीदार-m participant
उल्लेखनीय à mentionner (noter)
संस्थान-m institut
समर्थक-m partisan, supporteur
कथित soi dit
पक्षपाती-m partisan, fanatique
ईश्वर-m Dieu
खिलाफ contre
अनसुना करना ne pas écouter
चर्चा-f discussion
तर्क-m logique
जैव रसायन-m produit chimique bio
कवायद-m manœuvre, exercice
निरर्थक sans sans, vain, inutile
कमान-f commandement, direction
रसोई-f cuisine
गौर-f attention, réflexion
इंसानी humain

Questions - Répondre a des questions suivantes en français

हॉरिजांटल जीन ट्रांसफर क्या है?
अनुकूलित प्रक्रिया के उदाहरण दीजिये
हमारे शरीर पर दवायें कब बेअसर हो सकती हैं?
उच्चतम न्यायालय ने क्या और क्यों सार्वजनिक करने को कहा
किस दवाब में आँकड़े सार्वजनिक किये गये?
डा. भार्गव का क्या काम था?
महिको के आँकड़ों पर क्यों भरोसा नहीं किया जा सकता?
कर्क रोग (कैंसर) की आशंका कब बढ़ जाती है?
किसी भी वैज्ञानिक पत्रिका में प्रकाशित होने का अर्थ/मतलब क्या है?
ये दो संस्थान जीएम तकनीक के समर्थक क्यों हैं ?
बीटी बैंगन की क्यों ज़रूरत नहीं है ?
क्या निर्रथक है? जीएम फ़सल का अमेरिका में कहाँ उपयोग होता है?